



न्यायालय

## सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2023 / 238

दर्ज तिथि:-21.07.2023

1. देरामाराम पुत्र वीरमाराम  
जाति जाट निवासी सियोलों का डेर तहसील गुडामालानी

.....वादी

बनाम

1. रावताराम पुत्र वीरमाराम
2. जेठाराम पुत्र दुदाराम
3. हरचंदराम पुत्र पुरखाराम  
जाति जाट निवासी सियोलो का डेर तहसील गुडामालानी
4. शाखा प्रबन्धक एसबीआई बैंक शाखा गुडामालानी
5. तहसीलदार गुडामालानी

.....असल प्रतिवादीगण

.....तरतीबी प्रतिवादी

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री रिड़मलराम चौधरी

प्रतिवादी संख्या:-श्री डालुराम चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्त0 अधिनियम-1955

:-निर्णय:-

निर्णय तिथि:- 30.03.2026

1. आज यह पत्रावली वाद पत्र अन्तर्गत धारा- 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 का बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा वास्ते निर्णय किये जाने पेश हुआ है। प्रकरण का सूक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि वादी की ओर से वाद पत्र अन्तर्गत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के तहत पेश कर निवेदन किया गया कि संयुक्त आराजी खसरा



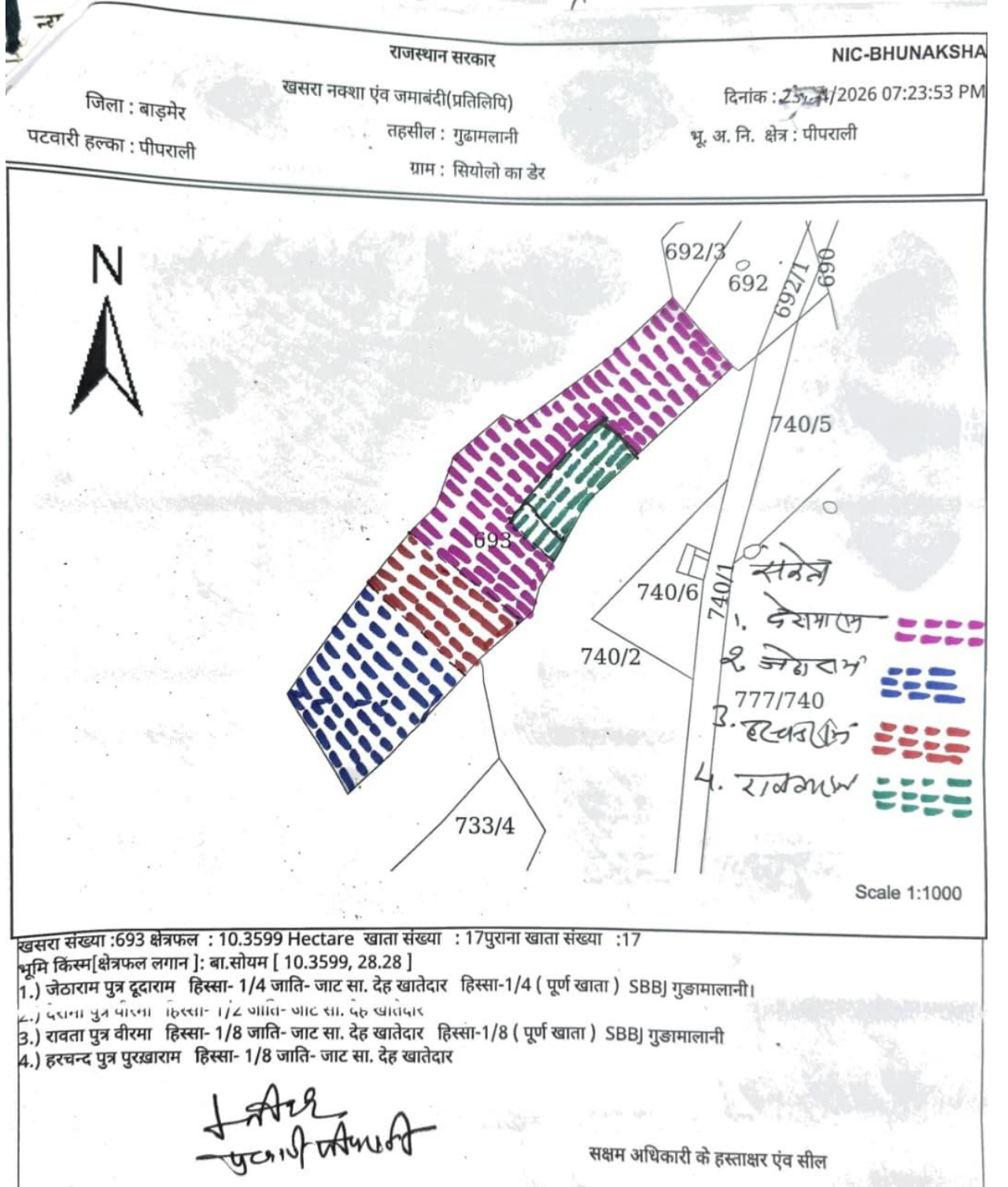
संख्या 690/6.0217 है0, 693/10.3599 है0, 689/0.0890 है0 मौजा सियोलो का डेर पटवार हल्का पीपराली तहसील गुड़ामालानी में अवस्थित है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादी एवं प्रतिवादीगण असल की शामलाती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। राजस्व रिकॉर्ड जमाबंदी में वादी का हिस्सा खुला हुआ है तथा आराजी संयुक्त खातेदारी में दर्ज है। यह विवादित आराजी अविभाजित है जिसका राजस्व रिकॉर्ड में अभी तक विधिक तकासमा नहीं हुआ है।

2. तत्पश्चात प्रकरण में दिनांक 21.04.2025 को प्रारम्भिक डिक्री जारी की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी से कुर्रैजात रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार गुड़ामालानी के पत्रांक/कोर्ट/2025/1324 दिनांक 06.08.2025 द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रैजात रिपोर्ट प्रेषित की गई। पीठासीन अधिकारी के मौका निरीक्षण के दौरान सभी पक्षकारान उपस्थित रहे तथा तहसीलदार गुड़ामालानी के द्वारा प्रेषित विभाजन प्रस्ताव को यथावत रखा जाना उचित प्रतीत होता है। प्रकरण में अंतिम बहस सुनी गई। तहसीलदार गुड़ामालानी के पत्रांक/कोर्ट/2025/1324 दिनांक 06.08.2025 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रैजात रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	अपनायी गई प्रक्रिया
<p><b>21. Preparation of map and demarcation of sub-divided fields.</b> - The Tehsildar shall prepare and place on record map showing in different colours the plots given to each party, and if any field has been sub-divided, he shall demarcate the portion at the expense of the parties.</p>	<p>प्रकरण में दिनांक 23.06.2025 को तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा मय पटवारी/गिरदावर स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>
<p>प्रकरण में पक्षकारो को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>	<p>1. प्रकरण में समस्त वादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 23.06.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई। 2. प्रकरण में समस्त प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 23.06.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>

4. प्रकरण में तहसीलदार की उक्त कुर्रैजात रिपोर्ट पर प्रतिवादी द्वारा आपत्ति प्रस्तुत की गई। उक्त आपत्ति का निस्तारण करते हुए स्वयं पीठासीन अधिकारी द्वारा मौका निरीक्षण

किया गया। पीठासीन अधिकारी के मौका निरीक्षण के समय उभय पक्षकारान उपस्थित रहे तथा मौके पर संशोधित प्रस्ताव का नजरी नक्शा बनाया गया। उक्त संशोधित नजरी नक्शा पर उभय पक्षकारान को न्यायालय में आगामी तारीख पेशी पर आपत्ति प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया। उक्त संशोधित प्रस्ताव व नजरी नक्शा पर उभय पक्षकारान की समझाईश की गई तथा उभय पक्षकारान द्वारा सहमति प्रदान की गई। उक्त संशोधित प्रस्ताव का नजरी नक्शा इस प्रकार है-



न्यायालय  
राजस्थान सरकार  
NIC-BHUNAKSHA

जिला : बाड़मेर  
खसरा नक्शा एवं जमाबंदी(प्रतिलिपि)  
पटवारी हल्का : पीपराली  
तहसील : गुडामालानी  
ग्राम : सियोलो का डेर

दिनांक : 20/03/2026 07:22:38 PM  
भू. अ. नि. क्षेत्र : पीपराली

खसरा संख्या : 690 क्षेत्रफल : 6.0217 Hectare खाता संख्या : 14 पुराना खाता संख्या : 14  
भूमि किस्म [क्षेत्रफल लगान] : बा.सोयम [ 6.0217, 16.44 ]  
1.) देरामा पुत्र वीरमा हिस्सा- 1/2 जाति- जाट सा. देह खातेदार  
2.) रावता पुत्र वीरमा हिस्सा- 1/2 जाति- जाट सा. देह खातेदार हिस्सा-1/2 (पूर्ण खाता) SBBJ शाखा गुडामालानी

सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर एवं सील

नोट :-  
१. यह प्रपत्र केवल प्रार्थी की जानकारी के लिए है।  
२. इसका उपयोग किसी भी न्यायालय में साक्ष्य के रूप में नहीं किया जा सकता है।  
३. प्रविष्टियों में संशोधन/सत्यापित प्रतिलिपि हेतु सम्बंधित जिला/तहसील कार्यालय में संपर्क करें।

5. उक्त संशोधित प्रस्ताव में खसरा संख्या 693 रावताराम के 08 बीघा में से 04 बीघा धोरे की जमीन तथा 04 बीघा डेहरी आराजी प्रदान की गई है। उक्त संशोधित प्रस्ताव व नजरी नक्शा पर उभय पक्षकारान द्वारा दी गई सहमति एवं बहस पर मनन किया एवं संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2070-2073 तथा कुर्रेजात रिपोर्ट नजरी नक्शा पर

का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण हाल संख्या संयुक्त आराजी खसरा संख्या 690/6.0217 है0, 689/0.0890 है0, 693/10.3599 है0 वाके ग्राम सियालो का डेर तहसील गुड़ामालानी के संयुक्त खातेदार है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादी एवं असल प्रतिवादीगण की शामलाती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस संयुक्त आराजी में वादी तथा असल प्रतिवादीगण का हिस्सा दर्ज रिकॉर्ड होना प्रमाणित होता है। उक्त विवादित आराजीयात अविभाजित है एवं राजस्व रिकॉर्ड में पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा नहीं हुआ है। पक्षकार की कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस पर सहमति को ध्यान में रखते हुए पक्षकारान के मध्य उक्त विवादित आराजीयात का विधिक तकासमा किया जाना आवश्यक है। अतः दावा वादीगण मुताबिक विभाजन-प्रस्ताव (कुर्रेजात रिपोर्ट) एवं मय नक्शा-ट्रेस के अनुसार डिक्री किया जाना न्यायोचित है।

6. प्रकरण में वादी द्वारा तकसीम आराजी के साथ-साथ स्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष का भी जिक्र किया गया। प्रकरण में वादी के अनुतोष के विवेचन हेतु तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है। जो कि निम्न प्रकार है:-

**188. Injunction against wrongful ejectment—**

(1) Any tenant whose right to or enjoyment of the whole or a part of his holding is invaded or threatened to be invaded by his landholder or any other person may bring a suit for the grant of a perpetual injunction.

(2) The court may after making the necessary enquiry grant a perpetual injunction in the following cases, namely-

- (a) if there exist no standard for ascertaining the actual damage caused or likely to be caused by the invasion;  
 (b) if the invasion is such that pecuniary compensation does not afford adequate relief;  
 (c) where it is probable that pecuniary compensation cannot be got for the invasion.  
 (d) where the injunction is necessary to prevent a multiplicity of proceedings.

7. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा-188 के अन्तर्गत किसी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारो की आमदरफत में किसी प्रकार का व्यवधान/अतिक्रमण किया जा रहा हो/किया जाने वाला हो उस स्थिति में व्यवधान उत्पन्न/अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किए जाने के प्रावधान बनाए गए है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 की उपधारा-2 में स्थाई निषेधाज्ञा जारी किए जाने हेतु निम्न चार परिस्थितियां बताई गई है:-

परिस्थिति	विवरण
-----------	-------

1.	जब हो रहे/होने वाले संभावित अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान के आंकलन हेतु कोई मानक/मापदण्ड अस्तित्व में नहीं हो।
2.	जब अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ इस प्रकार का हो कि नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति पर्याप्त राहत/संतुष्टि प्रदान नहीं करता हो।
3.	जब इस तथ्य की संभावना हो कि अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति की प्रदानगी संभव नहीं होगी।
4.	जब निषेधाज्ञा राजस्व विवादों की बहुलता को रोकने हेतु आवश्यक हो।

8. इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन के अनुसार स्पष्ट है कि प्रकरण में वादी का प्रथम अनुतोष स्वीकार होने के पश्चात् मुतनाजा आराजी पर वादी का संयुक्त काश्तकार घोषित होने के आधार पर वादी की संयुक्त खातेदारी होना पूर्ण रूप से साबित होती है। अतः मुतनाजा आराजी पर मुताबिक हिस्सा वादी का संयुक्त स्वामित्व अविवादित है। प्रकरण में वादीगण व प्रतिवादीगण की आराजी का विभाजन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त विभाजन के पश्चात् वादीगण व प्रतिवादीगण का पृथक-पृथक खाता कायम किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही हाल में संयुक्त आराजी का रिकॉर्ड में पृथक अंकन किया जाकर मौके पर उसी अनुसार कब्जा भी पृथक से सुपुर्द किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने हेतु अधिकृत व स्वतंत्र है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध खातेदारी अधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इस आधार पर वादी व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करने हेतु स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है।
9. अतः हाल सह काश्तकार बाद तकसीम अपने पृथक-पृथक संबंधित खाते में दर्ज खातेदारी आराजी के अलावा अन्य खातेदारी आराजी पर बेदखल करने का प्रयास नहीं करने एवं आमद रफत में मजाहमत उत्पन्न नहीं करने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित है। अतः

आदेश है कि

दावा वादीगण एवं प्रतिदावा प्रतिवादी अन्तर्गत  
धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी  
अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई

निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या संयुक्त आराजी खसरा संख्या 690/6. 0217 है0, 689/0.0890 है0, 693/10.3599 है0 वाके ग्राम सियालो का डेर तहसील गुड़ामालानी मुताबिक कुरेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा (है0 में)	किस्म
देरामाराम पुत्र वीरमाराम जाति जाट सा0 देह	पूर्ण	सियोलो का डेर	690 693	3.0554 5.1800	बा0सो0 बा0सो0
कुल किता 02 रकबा 8.2354 है0					
रावताराम पुत्र वीरमाराम जाति जाट सा0 देह रहन SBI गुड़ामालानी खसरा संख्या 689 बिना रहन	पूर्ण	सियोलो का डेर	689 690 693	0.0890 2.9663 1.2950	गै0मु0 बा0सो0 बा0सो0
कुल किता 03 रकबा 4.3503 है0					
जेठाराम पुत्र दुदाराम जाति जाट सा0 देह खातेदार	पूर्ण	सियोलो का डेर	693	2.59	बा0सो0
कुल किता 01 रकबा 2.59 है0					
हरचंद पुत्र पुरखाराम जाति जाट सा0 देह खातेदार	पूर्ण	सियोलो का डेर	693	1.2949	बा0सो0
कुल किता 01 रकबा 1.2949 है0					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुरेजात एवं निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। इसी अनुसार पृथक से पर्चा डिक्री तैयार की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी को पालनार्थ हेतु भिजवाई जावे। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

देरामाराम बनाम रावताराम

2023 / 238

निर्णय दिनांक:-30.03.2026

यह निर्णय आज दिनांक 30.03.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)

सहायक कलक्टर

गुढामालानी





न्यायालय

## सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2023 / 238

दर्ज तिथि:-21.07.2023

1. देरामाराम पुत्र वीरमाराम  
जाति जाट निवासी सियोलों का डेर तहसील गुडामालानी

.....वादी

बनाम

1. रावताराम पुत्र वीरमाराम
2. जेठाराम पुत्र दुदाराम
3. हरचंदराम पुत्र पुरखाराम  
जाति जाट निवासी सियोलो का डेर तहसील गुडामालानी
4. शाखा प्रबन्धक एसबीआई बैंक शाखा गुडामालानी
5. तहसीलदार गुडामालानी

.....असल प्रतिवादीगण

.....तरतीबी प्रतिवादी

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री रिडमलराम चौधरी

प्रतिवादी संख्या:-श्री डालुराम चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्त0 अधिनियम-1955

-:पर्चा डिक्री:-

दावा वादीगण एवं प्रतिदावा प्रतिवादी अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या संयुक्त आराजी खसरा संख्या 690/6.0217 है0, 689/0.0890 है0, 693/10.3599 है0 वाके ग्राम सियालो का डेर तहसील गुडामालानी मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है।

पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा (है0 में)	किस्म
देरामाराम पुत्र वीरमाराम जाति जाट सा0 देह	पूर्ण	सियोलो का डेर	690 693	3.0554 5.1800	बा0सो0 बा0सो0
कुल किता 02 रकबा 8.2354 है0					
रावताराम पुत्र वीरमाराम जाति जाट सा0 देह रहन SBI गुड़ामालानी खसरा संख्या 689 बिना रहन	पूर्ण	सियोलो का डेर	689 690 693	0.0890 2.9663 1.2950	गै0मु0 बा0सो0 बा0सो0
कुल किता 03 रकबा 4.3503 है0					
जेठाराम पुत्र दुदाराम जाति जाट सा0 देह खातेदार	पूर्ण	सियोलो का डेर	693	2.59	बा0सो0
कुल किता 01 रकबा 2.59 है0					
हरचंद पुत्र पुरखाराम जाति जाट सा0 देह खातेदार	पूर्ण	सियोलो का डेर	693	1.2949	बा0सो0
कुल किता 01 रकबा 1.2949 है0					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रजात एवं नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह डिक्री आज दिनांक 30.03.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)  
सहायक कलक्टर  
गुड़ामालानी